

साँवरिया घर आजा रे नदी रे किनारे म्हारो गाँव भजन



साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया यमुना किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव।bd।

थारे थारे कारण साँवरा,
बाग लगाया रे,
घुमण रे मिस आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव।bd।

थारे थारे कारण साँवरा,
भोजन बनाया रे,
जीमण रे मिस आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव।bd।

थारे थारे कारण साँवरा,
होद भराया रे,
झूलण मिस आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव।bd।

थारे थारे कारण साँवरा,
आसन लगाया रे,
बैठण मिस आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव।bd।

चन्द्र सखी भज,
बाल कृष्ण छवि,
भक्तों को पार लगाजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव।bd।

साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया यमुना किनारे म्हारो गाँव,
साँवरिया घर आजा रे,
नदी रे किनारे म्हारो गाँव।bd।

प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
'आकाशवाणी सिंगर'
9785126052
